4033. *[Transferred to the* 18th *August* 1992]

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग विभाग को बंद किया जाना

4034. श्रीमती सरोज बहिन : क्या **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार खाद्य प्रसंस्करण उद्योग विभाग को बन्द करने पर विचार कर रही है; यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस प्रकार के विचार से देश-भर में फैले ऐसे उद्योगों का कार्यकरण प्रभावित हो रहा है; और

(ग) इन प्रभावित उद्योगों में उत्पादन की गति को बनाये रखने के लिए सरकार क्या उपाय कर रही है?

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री गिरिधर गोमांगो) : (क) और (ख) जी, नहीं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

नकली शीतल पेय

4035. श्री महेश्वर सिंह :
श्री रजनी रंजन साहू :
डा. अबरार अहमद :

क्या **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 23 जुलाई, 1992 के "पंजाब केसरी (दिल्ली संस्करण)" के पृष्ठ छः पर (पूर्वी दिल्ली में नकली शीतल पेय बनाने की दो दर्जन फैक्ट्रियां पकड़ी गईं" शीर्षक से छपे समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ;

(ग) कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ; और

(घ) यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाये गये हैं कि भविष्य में ऐसी फैक्ट्रियां नकली शीतल पेय न बनायें?

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री गिरिधर गोमांगो) : (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जायेगी।

बीयर उत्पादन के लिये लम्बित आवेदन

4036. श्री मस्तंभ्यदुमनालम: क्या **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय के पास मद्य-निर्माणशालाओं की स्थापना के लिए आज तक कितने आवेदन लम्बित हैं;

(ख) ऐसे आवदनों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है ;

(ग) उन पर कार्यवाही करने में विलम्ब के क्या कारण हैं ;

(घ) क्या किन्हीं आवेदनों से कोई अतिरिक्त सूचना मांगी गई है ;

(ङ) क्या यह सच है कि वर्तमान मद्य निर्माताओं की ओर से नई मद्य निर्माणशालाओं के लिए आवदनों पर कार्यवाही न करने के लिए दबाव डाला जा रहा है ; और

(च) देश में बीयर उत्पादकों की संख्या में वृद्धि करने के लिये क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री गिरिधर गोमांगो) : (क) से (ग) मद्यनिर्माणशालाओं की स्थापना के लिए इस मंत्रालय को लगभग 900 आवेदन-पत्र प्राप्त हुए थे। इनमें